यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 10

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम.............................. जन्मतिथि.................... मोबाइल.................... रोल नं ....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk dk fo|kFkhZ gks A ¼ ½
2- 97 vad ,oa lkekf;d djus okys 3 vad çkIr dj ldrs gSA ¼ ½

प्रश्न 1. निम्न गाथाओं को पूर्ण करो- **15**

1. आसीवियो वावि ....,..।

आयरियपाया ....नत्थिमुक्खो।।,

2. जो पुव्वयं ....,...पडिबोइज्जा।

....गुरूणं।।

3. जस्संतिए ....,तस्संतिए..।

4. महागरा ....य निच्चं।।

संपाविउकामे...।।

5. चउविहा खलु सुयसमाही..अज्झाइयव्वंभवई।।

6. जिणवयणरए ....

....भावसंघए।।

7. केवली..,.. सहस्त्रकोड।।

8. इण अवसर्पिणी..,... देवलोक।।

9. छाने...,...नितचौविहार।।

10. संसार की..,..

.....सुविचारना।।

11. संतो को .....नवकार।।

12. मैं कौन हूँ .....अथवा नहीं।

13. महाअतुल .....,.....तीर।।

14. लज्जा .....,.....।

.....पूययामि।।

15. नाणमेगग्ग .....

सुयाणि, ...।।

प्रश्न 2. मिनीगं लिखिए **12**

1. थंभा – .....
2. अप्पसुएति – .....
3. धम्मपयाइं – .....
4. विसोहिठाणं – .....
5. आयरियो – .....
6. सुरमज्झे – .....
7. सुविसुहो – .....
8. अभिगम – .....
9. महिड़िढिए – .....
10. पुराणपावगं –.....
11. ठावइस्सामि त्ति – .....
12. सुयसमाही – .....

प्रश्न 3. निम्न गाथाओं का भावार्थ लिखो– **10**

1. विणए सुए य तवे, आयारे निच्च पंडिया, अभिरामयंति अप्पाणं, जे भंवति जिइंडिया।

.....

.....

2. जहा ससी कोमुइजोजुत्तो, नक्खत्ततारागणपरिवुडप्पा।

खे सोहई विमले अल्भमुक्के, एवं गणी सोहइ भिक्खुमज्झे

.....

.....

.....

3. जे यावि मंदित्ति गुरुं विइत्ता, डहरे इमे अप्प सुएति नच्चा।

हीलंति मिच्छं पडिवज्जमाणा, करंति आसायण ते गुरुणं।।

.....

.....

.....

4. आयरियपाया पुण अप्पसना, अबोंहि आसायण नत्थि मुक्खो।

तम्हा अणाबाहसुहाभिकंखी, गुरूप्पसायाभिमुहो रमिज्जा।।

.....

.....

.....

5. वो इहलोगट्ठयाए तवहिट्ठिज्जा, नो परलोगट्ठयाए तवमहिट्ज्जा, नो कित्तिवण्ण

सद्दसिलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा नन्नत्थ निज्जरट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा।।

.....

.....

.....

प्रश्न 4. संक्षेप में उत्तर दीजिए **20**

1. साधु किसे कहते हैं ?

.....

.....

2. श्रावक कौन-कौन सी पाटीयों का उच्चारण नहीं करते है?

.....

.....

3. साधु कितने ज्ञान के धारक तथा कौनसे गुणस्थानवर्ती होते है ?

.....

.....

4. ''ताल, तमाल यावत् कदली वलय वर्ग में आते हैं, ये कौन से शास्त्र में है ?

.....

.....

5. प्रवर्तिनी का क्या अर्थ है ?

.....

.....

6. रंगूजी को दीक्षा किसने पच्चखायी तथा उन्होंने कल्प की पूर्ति के लिए क्या त्याग किया था।

.....

.....

7. रोहिणेय अभयकुमार के मायाजाल में क्यों नहीं फंसा ?

.....

.....

8. ''आप मूर्ति पूजा का विरोध करते हैं, इस वाक्यांश का लोकाशाह ने क्या उत्तर दिया ?

.....

.....

9. लोकाशाह कौन सी पदवी दी गई तथा क्यों दी गई ?

.....

.....

10. गर्भज में उत्पन्न होता हुआ जीव कितने शरीर लेकर आता है ?

.....

.....

11. वीर्य कितने काल तक योनि भूत रहता है ?

.....

.....

.....

.....

12. आभिनिबोधिक ज्ञान किसे कहते हैं ?

.....

.....

.....

13. वेदनीय कर्म किसे कहते है इसकी उत्तर प्रकृत्तियां कितनी है ?

.....

.....

.....

14. अगरूलघु नामकर्म किसे कहते है ?

.....

.....

15. स्थावर दशक की नवीं प्रकृत्ति कौनसी है ? लिखिए।

.....

.....

16. शील की स्त्रहवीं उपमा लिखिए।

.....

.....

.....

17. समाधि का अर्थ क्या है?

.....

.....

.....

18. अविनीत शिष्य की कोई 1 उपमा लिखिए।

.....

.....

.....

19. आचार्य की तीसरी विनय भक्ति क्या है ? लिखिए।

.....

.....

.....

20. जुगुप्सा मोहनीय कर्म किसे कहते हैं।

.....

.....

.....

प्रश्न 5. अंको में उत्तर दीजिए **15**

1. सांवत्सरिक में कितने लोगस्स का ध्यान किया जाता है?

2. गर्म पानी सर्दी में कितने प्रहर बाद सचित हो जाता है ?

3. आम का अचार, कितने दिन पहले का सचित्त होता है?

4. नित्य कितने नियम चितारना चाहिए ।

5. आचार्य श्री हुक्मीचन्दजी म.सा. ने कितने वर्ष तक बेले- 2 की साधना की।

6. रोहिणेय ने भगवान के मुखारविन्द से कितने वचन सुने।

7. लोकाशाह ने व्यक्तियों को दीक्षा दिलवाई ।

8. विनय के कितने अर्थ बताए गए।

9. मनुष्यिणी के गर्भ की उत्कृष्ट स्थिति कितनी है ?

10. चारित्र मोहनीय कर्म की उत्तर प्रकृत्तियां कितनी है ?

11. अंगोपांग कितने है ?

12. कितनी बातों का मद करने से जीव नीच गौत्र में जाता है ?

13. उपक्रम के कितने प्रकार है ?

14. सभी धर्मो में निर्वाण श्रेष्ठ धर्म श्रेष्ठ है यह शील की कौनसी उपमा है ?

15. प्रत्येक त्रसदशक की कौन सी प्रकृत्ति हैं।

प्रश्न 6. खाली स्थान भरिए- **12**

1. जो एक अपने को नमा लेता है वह .....को नमा लेता हैं।

2. तालाब के किनारे की जमी पपड़ी .....हैं।

3. दीवार से निकलने वाला पानी .....हैं।

4. .....से संचालित सभी वस्तुऐं चालु हालत में तेउकाय है।

5. साधुजी .....गुणों के धारक तथा श्रावकजी .....गुणों से सम्पन्न होते है।

6. बलि .....मुनि, राजमति रहनेम।

7. सर्वात्म में समदृष्टि हो, यह कथन .....से जान लो।

8. सुने हुए धर्म को ग्रहण कर उस पर.....करने को तत्पर रहना चाहिए।

9. शुद्ध चित्त अध्यवसाय में काल करे तो गर्भस्थ जीव मरकर .....में उत्पन्न होता है।

10. जीव के साथ न्यूनाधिक परमाणु वाले कर्म स्कंधो का सम्बंध होना .....है।

11. जिसमें चैतन्य की .....निद्रा से अधिक हो वह.....है।

12. ग्रहीत औदारिकादि पुद्गलों को शरीर में अपने-अपने स्थान पर एकत्रित करने वाला कर्म.....है।

प्रश्न 7. सही और गलत बताओं **8**

1. जो गुरुजनों की आशातना करते हैं उन्हें सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है। ( )

2. मांस, मज्जा, दाढ़ी, रोम, नख ये अंग पिता के हैं। ( )

3. जिस कर्म के उदय से शरीर के अवयव अप्रशस्त हो, वह अशुभ है। ( )

4. जो कर्म एक बार भोगने योग्य वस्तु को भोगने मे बाधा डाले वह उपभोगान्तराय है। ( )

5. श्रावक का विचार हमेशा ऊंचा यानि मात्र मोक्ष जाने का होता है। ( )

6. करकण्ड प्रमुख, चारे प्रत्येक बुद्ध/मुनि मुक्ति पहुँच्या, जीत्या कर्म महाजुद्ध। ( )

7. युगमंधर प्रमुख, जघन्य तीर्थंकर बीश। ( )

8. बर्तन के अंदर ठंडी वस्तु को रखने पर बर्तन के बाहर आने वाला पानी अचित हैं। ( )

प्रश्न 8. सही जोड़ी बनाइये **5**

1. गुलाल	यशाकीर्ति	.....
2. अपर्याप्त	हड़ताल	.....
3. सुस्वर	रति	.....
4. खड़ी	स्थावर	.....
5. स्त्रीवेद	कालानमक	.....